केंद्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन
मुख्यालय कार्यालय, प्रयागराज
जनसम्पर्क विभाग

सं. कोर/जी/पी.आर./10/22 **प्रेस विज्ञप्ति** दिनांक 26.02.2022

केन्द्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन, के 100% विद्युतीकरण की दिशा में बढ़ते कदम

भारतीय रेलवे दिसंबर 2023 तक पूर्ण विद्युतीकरण के लक्ष्य की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसी दिशा में केंद्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन प्रयागराज की गुवाहाटी एवं अम्बाला परियोजना द्वारा पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के कटिहार मण्डल के न्यू जलपाईगुडी-सिलीगुड़ी (8 RKM) रेल खण्ड तथा उत्तर रेलवे के दिल्ली मण्डल के सोनीपत-गोहाना (36 RKM) रेल खण्ड का विद्युतीकरण कर दिनांक 26.02.2022 को सफलता पूर्वक सीआरएस निरीक्षण का कार्य सम्पन्न हो गया है।

केंद्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन प्रयागराज की गुवाहाटी परियोजना के अन्तर्गत न्यू जलपाईगुडी-सिलीगुड़ी खण्ड के विद्युतीकरण होने से कटिहार मण्डल का सिलीगुड़ी डीजल शेड अब विद्युतीकृत हो गया है। जो कि पूर्व सीमांत रेलवे का पहला विद्युतीकृत लोको शेड होगा।

संगठन की ही अम्बाला परियोजना के सोनीपत-गोहाना सेक्शन के विद्युतीकृत होने से दिल्ली मण्डल के जींद (पांडुर्पिंडारा) -सोनीपत सेक्शन का विद्युतीकरण पूरा हो गया है। इस सेक्शन के विद्युतीकरण होने से अब दिल्ली मण्डल 100% विद्युतीकृत हो गया है। इस खण्ड के विद्युतीकृत होने से जींद-दिल्ली वाया सोनीपत, पानीपत-सोनीपत वाया गोहाना एवं रोहतक-दिल्ली वाया गोहाना-सोनीपत के बीच वैकल्पिक विद्युतीकृत रेल मार्ग हो गया है ।

ज्ञात हो कि विद्युतीकृत ऊर्जा पर्यावरण के अनुकूल होती है, इसके इस्तेमाल से कार्बन के उत्सर्जन में कमी आती है जो कि पर्यावरण के लिए लाभप्रद है। डीजल की खरीद में लगने वाली विदेशी मुद्रा की बचत भी होती है। मिशन मोड पर कार्य करते हुए केंद्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन प्रयागराज, भारतीय अर्थ व्यवस्था को भी सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण योगदान कर रहा है जिससे देश के आर्थिक विकास में गति मिल रही है।

कोर के महाप्रबन्धक श्री यशपाल सिंह, ने अम्बाला व गुवाहाटी परियोजनाओं की इस उपलब्धि पर खुशी जताते हुए कहा कि कोर की सभी परियोजनायें भारतवर्ष के ब्रॉडगेज रेल-मार्गों को पूर्ण रूप से विद्युतीकृत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। जिसकी परिणिती लगातार हो रहे सफल सीआरएस निरीक्षण है।

(अमिताभ शर्मा)
मुख्य जन संपर्क अधिकारी
कोर/प्रयागराज